जम्मू शहर के ऊपर अज्ञात विमान

*७११ श्री वाजपेयी :
श्रीमती इला पालचौधरी :
श्री रघुनाथ सिंह :
श्री राम कृष्ण :
श्री विभूति मिश्र :
डा० राम सुभग सिंह :
श्री उमा चरण पटनायक .
श्री म० र० कृष्ण :
श्री अरविन्द घोषाल :
श्री स० च० सामन्त :
श्री सुबोध हंसदा :
श्री आसर :
श्री वोडयार :
श्री पी० सी० बरुआ :

क्या प्रधान मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि जनवरी, १९५९ में कुछ अनजाने जेट विमानों को जम्मू नगर के ऊपर उडता हुआ देखा गया ,

(ख) क्या यह सच है कि उक्त जेट विमान जम्मू नगर पर उडान भरने के बाद स्यालकोट (पाकिस्तान) की ओर उडते देखे गये ,

(ग) क्या इस सम्बन्ध में पाकिस्तान सरकार से पूछताछ की गई, और

(घ) यदि हां, तो उसका क्या परिणाम निकला है ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नैहरू) (क) १३, १४, १६ और १७ जनवरी, १९५९, को जम्मू क्षेत्र पर कुछ अज्ञात हवाई जहाज उडते देखे गये ।

(ख) तीन हवाई जहाज ऐसे थे जो स्यालकोट की दिशा में उडते देखे गये ।

(ग) और (घ). इस विषय में पाकिस्तान सरकार से कोई पूछताछ नहीं की गई, लेकिन संयुक्त राष्ट्र के मुख्य सैनिक पर्यवेक्षक (चीफ मिलिटिरी आबजरवर) से शिकायत की गई थी; उन्होंने कहा कि हवाई जहाज की निश्चित पहचान करना मुमकिन नहीं है । लेकिन, हमारी दो शिकायतों के बारे में उन्होंने यह कहा कि हमारे कथनानुसार, हवाई जहाज जरूर उडा था । फिर भी, बहुत ऊंचाई पर उडने वाले जेट हवाई जहाजों को पहचानना बहुत मुश्किल था और कोई पूछताछ करने से ऐसा संभव नहीं था कि समय और खर्च का लिहाज करते हुये कोई व्यावहारिक परिणाम निकलें ।

यह कहा जा सकता है कि जब कोई हवाई जहाज जमीन से ३०,००० फुट या इससे अधिक ऊंचाई पर उड रहा हो तो राष्ट्रीय सीमाओं का आसानी से पता नहीं लगाया जा सकता । जेट हवाई जहाज की रफ्तार कई सौ मील प्रति घंटा होने के कारण, जरा सी भूल या गलत निर्णय हो जाने से हवाई जहाज ३० या ४० मील सीमा के पार जा सकता है । इस तरह अनिच्छा से सीमा पार हो सकती है और जान-बूझ कर भी सीमा पार की जा सकती है । हवाई जहाज के लिये उचित तो यह होगा कि वह सीमा के निकट जायें ही नहीं ।

Productivity Teams

***712. Shri Ajit Singh Sarhadi:** Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No 125 on the 20th November, 1958 and state·

(a) whether the National Productivity Council has finalised the shape of the productivity teams to be sent abroad, and

(b) if so, whether any team has been constituted for Small Scale Industries of Punjab and places to be visited by it?